नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

नं. 1

संजीव®

बुक्स

राजनीति विज्ञान-XII

(1) समकालीन विश्व राजनीति (भाग-1) एवं
(2) स्वतन्त्र भारत में राजनीति (भाग-2)

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2024 का प्रश्न-पत्र
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2025

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

  *****

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

समकालीन विश्व राजनीति (भाग-1)

1. दो ध्रुवीयता का अन्त 1–24
2. सत्ता के समकालीन केन्द्र 25–48
3. समकालीन दक्षिण एशिया 49–74
4. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन 75–102
5. समकालीन विश्व में सुरक्षा 103–127
6. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन 128–152
7. वैश्वीकरण 153–174

स्वतन्त्र भारत में राजनीति (भाग-2)

1. राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ 175–198
2. एक दल के प्रभुत्व का दौर 199–218
3. नियोजित विकास की राजनीति 219–230
4. भारत के विदेश सम्बन्ध 231–255
5. कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना 256–279
6. लोकतान्त्रिक व्यवस्था का संकट 280–300
7. क्षेत्रीय आकांक्षाएँ 301–327
8. भारतीय राजनीति : नए बदलाव 328–348

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न **349–359**

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

राजनीति विज्ञान

(Political Science)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ (Section-A)

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions) :

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए :

Choose the correct option to Answer the following questions and write in the Answer-Book :

(i) सोवियत संघ के विघटन में किस नेता ने अपनी केन्द्रीय भूमिका निभाई? [1]
Which leader played a central role in the disintegration of the Soviet Union?
(अ) जोसेफ स्टालिन (ब) बोरिस येल्तसिन (स) निकिता ख्रुश्चेव (द) लिओनिड ब्रेझनेव

(ii) 'आसियान क्षेत्रीय मंच' (ARF) की स्थापना कब की गई? [1]
When was the 'ASEAN Regional Forum' (ARF) established?
(अ) 1991 (ब) 1992 (स) 1993 (द) 1994

(iii) नेपाल देश में राजतंत्र का अन्त कब हुआ? [1]
When did Monarchy end in Nepal?
(अ) 2007 (ब) 2008 (स) 2009 (द) 2010

(iv) संयुक्त राष्ट्र संघ के किस महासचिव को 2001 का नोबेल शान्ति पुरस्कार मिला? [1]
Which Secretary General of the United Nations has received the 'Nobel Peace Prize' of 2001?
(अ) बुतरस बुतरस घाली (ब) बान की मून (स) कोफी ए. अन्नान (द) यू थांट

(v) युद्ध की आशंका को 'सुरक्षा नीति' द्वारा रोकने को कहा जाता है— [1]
The threat of war is said to be prevented through security policy—
(अ) आदेशात्मक युद्ध विराम (ब) शक्ति सन्तुलन
(स) एकजुट होकर हमलावर को रोकना (द) अपरोध

(vi) 1992 में आयोजित रियो डी जनेरियो सम्मेलन का मुख्य मुद्दा क्या था? [1]
What was the main issue of the Rio de Janeiro conference held in 1992?
(अ) सैन्य शक्ति पर बल (ब) पर्यावरण और विकास
(स) शान्ति सहयोग (द) आतंकवाद से निपटना

(vii) 'वर्ल्ड सोशल फोरम' की प्रथम बैठक किस देश में हुई? [1]
In which country was the first meeting of the world social form held?
(अ) ब्राजील (ब) जापान (स) भारत (द) श्रीलंका

(viii) मेघालय राज्य का निर्माण किस वर्ष में हुआ? [1]
In which year was the state of Meghalaya formed?
(अ) 1969 (ब) 1970 (स) 1971 (द) 1972

(ix) संयुक्त राष्ट्र में मानवाधिकार परिषद् की स्थापना कब हुई? [1]
When was the Human Rights Council established in UN?
(अ) 2005 (ब) 2006 (स) 2007 (द) 2008

(x) दूसरी पंचवर्षीय योजना के योजनाकार कौन थे? [1]
Who was the planner of the Second Five Year Plan?
(अ) जे.सी. कुमारप्पा (ब) पी.सी. महालनोबिस (स) वर्गीज कूरियन (द) चरण सिंह

(xi) नीति निर्देशक सिद्धान्त के हवाले से भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु कहा गया है? [1]
In which article of the Indian Constitution, quoting the Directive Principles, has been asked to promote international peace and security?
(अ) अनुच्छेद 51 (ब) अनुच्छेद 56 (स) अनुच्छेद 74 (द) अनुच्छेद 76

(xii) भारत में लोकसभा के किस चुनाव से गठबन्धन की राजनीति की शुरुआत हुई? [1]
With which election of Lok Sabha in India coalition politics started?
(अ) 1952 में (ब) 1964 में (स) 1967 में (द) 1972 में

(xiii) 1974 की रेल हड़ताल भारत के किस नेता के नेतृत्व में हुई? [1]
The 1974 railway strike took place under the leadership of which Indian Leader?
(अ) राम मनोहर लोहिया (ब) जयप्रकाश नारायण (स) मोरारजी देसाई (द) जार्ज फर्नान्डिस

(xiv) 'आसू' छात्र संगठन किस राज्य में सक्रिय है? [1]
'AASU' student organization is active in which state?
(अ) असम (ब) मिजोरम (स) गुजरात (द) मणिपुर

(xv) 'बामसेफ' का गठन कब हुआ? [1]
When was 'BAMCEF' Formed?
(अ) 1972 (ब) 1978 (स) 1979 (द) 1980

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (Fill in the blanks) :

(i) पूर्वी जर्मनी की आम जनता ने सन् ..... में बर्लिन की दीवार को गिरा दिया। [1]

(ii) श्रीलंका सरकार और तमिलों के बीच रिश्तों को सामान्य करने के लिए भारत ने 1987 में ..... भेजी। [1]

(iii) सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा को ..... कहा जाता है। [1]

(iv) वर्ल्ड सोशल फोरम की चौथी बैठक सन् ..... में (मुम्बई) में हुई। [1]

(v) 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम के आधार पर ..... राज्य ..... केन्द्र शासित प्रदेश बनाये गये। [1]

(vi) 'इकॉनोमी ऑफ परमानेंस' के लेखक ..... हैं। [1]

(vii) नागालैण्ड को राज्य का दर्जा सन् ..... में मिला। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

(निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए)

Very Short Answer Type Questions :

(Answer the following questions in one word or one line)

(i) जर्मनी का एकीकरण कब हुआ? [1]
When did Germany unify?

(ii) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों के नाम लिखिए। (कोई दो) [1]
Write the names of the permanent members of the United Nations Security Council (any two).

(iii) संयुक्त राष्ट्र संघ में 'वीटो पावर' से क्या अभिप्राय है? [1]
What is meant by 'Veto Power' in the United Nations?

(iv) सुरक्षा के मुख्य दो स्वरूप कौन-कौनसे हैं? [1]
What are the two main forms of Security?

(v) वैश्विक मामलों से सरोकार रखने वाले 'क्लब ऑफ रोम' द्वारा प्रकाशित पुस्तक का नाम लिखिए। [1]

Write the name of the book published by the 'Club of Rome' which is concerned with global affairs.

(vi) भारत में 'मूलवासी' किन्हें कहा गया है? [1]
Who are called the 'Indigenous People' of India?

(vii) 'वैश्वीकरण' का अर्थ बताइये। [1]
Explain the meaning of globalization.

(viii) भारत में भाषा के आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का निर्माण हुआ? [1]
Which state was first formed in India on the basis of language?

(ix) वामपंथ से क्या अभिप्राय है? [1]
What is meant by leftist?

(x) भारत में सात बहनों का भाग किस क्षेत्र को कहा जाता है? [1]
Which region in India is called part of the 'Seven Sisters'?

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–(उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)
Short Answer Type Questions – (Answer limit about 50 words)

4. मार्शल योजना से क्या तात्पर्य था? [2]
What was meant by Marshall Plan?

5. ''भारत को सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया जाना चाहिये।'' इस कथन के पक्ष में कोई दो कारण बताइये। [2]
"India should be included in the Security Council as a Permanent Member." Give any two reasons in favour of this statement.

6. निरस्त्रीकरण से क्या अभिप्राय है? [2]
What is meant by disarmament?

7. ''पर्यावरण संरक्षण में भारत का महत्त्वपूर्ण योगदान है।'' इस कथन के पक्ष में आप कोई दो बिन्दु संक्षेप में बताइए। [2]
"India has an important contribution in environmental protection." Briefly state any two points in favour of this statement.

8. आजादी के पश्चात् भारत को किन दो चुनौतियों का प्रमुख रूप से सामना करना पड़ा? [2]
Which two main challenges did India face after independence?

9. बॉम्बे प्लान की मूल अवधारणा क्या थी? संक्षेप में लिखिए। [2]
Write briefly what was the basic concept of Bombay Plan.

10. भारत में गठबन्धन राजनीति का क्या प्रभाव पड़ा? कोई दो प्रभाव लिखिए। [2]
What was the impact of coalition politics in India. Write any two.

11. भारत की राजनीति में 'दल-बदल' से आपका क्या अभिप्राय है? [2]
What do you mean by 'defection' in Indian Politics?

12. 1974 में हुए गुजरात छात्र आन्दोलन के कोई दो कारण लिखिए। [2]
Write any two reasons for the Gujarat Student Movement in 1974.

13. भारत में आपातकाल लागू होने के क्या सबक मिले? कोई दो सबक लिखिए। [2]
Write any two lessons learned from imposition of emergency in India.

14. क्षेत्रवाद को रोकने हेतु कोई दो उपाय बताइये। [2]
Mention any two measures to stop regionalism.

15. भारत के दो राष्ट्रीय दलों के नाम बताइये। [2]
Name two national parties of India.

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)
Long Answer Type Questions – (Answer limit about 100 words)

16. यूरोपीय संघ के उद्देश्य लिखिए। [3]
Write the objectives of European Union.

अथवा/OR

भारत-चीन सम्बन्धों को संक्षेप में लिखिए।
Write briefly about the relations between India and China.

17. श्रीलंका में जातीय संघर्ष पर टिप्पणी लिखिए। [3]
Write a note on ethnic conflict in Sri Lanka.

अथवा/OR

भारत-पाकिस्तान के मध्य कोई तीन विवादों को संक्षेप में लिखिए।
Write briefly about any three disputes between India and Pakistan.

18. वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभावों को संक्षेप में लिखिए। [3]
Write briefly the positive effects of globalization.

अथवा/OR

''भारत ने भी वैश्वीकरण की ओर अपने कदम बढ़ाये हैं।'' इस कथन के पक्ष में संक्षेप में लिखिए।
India has also taken further steps towards globalization. Write briefly in support of this statement.

19. मण्डल आयोग की प्रमुख सिफारिशें क्या थीं? [3]
What were the main recommendations of the Mandal Commission?

अथवा/OR

गठबन्धन की राजनीति से लोकतंत्र पर क्या प्रभाव पड़ता है? अपना मत प्रकट करिए।
Express your views on what effect coalition politics has on democracy.

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न–(उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द) :
Essay Type Questions – (Answer limit about 250 words)

20. सोवियत प्रणाली को स्पष्ट करते हुए, सोवियत संघ के विघटन के परिणामों की विवेचना कीजिए। [4]
Explaining the Soviet System, discuss the consequences of the disintegration of the Soviet Union.

अथवा/OR

'शॉक थेरेपी' से आपका क्या तात्पर्य है? इसके परिणामों को स्पष्ट कीजिए।
What do you mean by 'Shock therapy'? Explain its consequences.

21. भारत की परमाणु नीति की विवेचना कीजिए। [4]
Discuss India's nuclear policy.

अथवा/OR

भारत की गुट निरपेक्षता नीति की विवेचना कीजिए।
Discuss the non-alignment policy of India.

22. भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए– [4]
Mark the following places on the political map of India.
(i) जम्मू कश्मीर (ii) हिमाचल प्रदेश (iii) राजस्थान (iv) गुजरात

अथवा/OR

भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए–
Mark the following places on the political map of India.
(i) दिल्ली (ii) उत्तर प्रदेश (iii) पश्चिम बंगाल (iv) पांडिचेरी

राजनीति विज्ञान–XII

समकालीन विश्व राजनीति (भाग 1)

1. दो ध्रुवीयता का अन्त

पाठ-सार

सोवियत प्रणाली–(1) समाजवादी सोवियत गणराज्य रूस में हुई 1917 की समाजवादी क्रान्ति के बाद अस्तित्व में आया।

(2) सोवियत प्रणाली की धुरी कम्युनिस्ट पार्टी थी।

(3) सोवियत अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध और राज्य के नियन्त्रण में थी।

(4) दूसरे विश्व युद्ध के बाद पूर्वी यूरोप के देश सोवियत संघ के अंकुश में आ गए। इन सभी देशों की राजनीतिक-सामाजिक व्यवस्था को सोवियत संघ की समाजवादी प्रणाली में ढाला गया। इन्हें ही समाजवादी खेमे के देश या दूसरी दुनिया कहा गया। इनका नेता सोवियत संघ था। इस प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा।

(5) अमरीका को छोड़कर शेष विश्व की तुलना में सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था कहीं ज्यादा विकसित थी।

(6) लेकिन, सोवियत प्रणाली पर नौकरशाही का शिकंजा कसता चला गया। यह प्रणाली सत्तावादी होती गयी और नागरिकों का जीवन कठिन होता चला गया। सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी का शासन था जिसका सभी संस्थाओं पर गहरा अंकुश था तथा यह दल जनता के प्रति उत्तरदायी नहीं था। सोवियत संघ के 15 गणराज्यों में रूसी गणराज्य का हर मामले में वर्चस्व था। अन्य क्षेत्रों की जनता अपने आपको उपेक्षित और दमित महसूस करती थी। हथियारों की होड़ में सोवियत संघ ने समय-समय पर अमरीका को बराबर टक्कर दी, लेकिन उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। वह प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढाँचे के मामले में पश्चिमी देशों की तुलना में पीछे रह गया। यह अपने नागरिकों की राजनीतिक और आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सका। 1979 में अफगानिस्तान में हस्तक्षेप से उसकी अर्थव्यवस्था और कमजोर हुई। यहाँ उपभोक्ता वस्तु की कमी हो गयी तथा 1970 के दशक के अन्तिम वर्षों में यह व्यवस्था लड़खड़ाने लगी थी।

गोर्बाचेव और सोवियत संघ का विघटन–1980 के दशक के मध्य में गोर्बाचेव सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव बने। उसने पश्चिम के देशों के साथ सम्बन्धों को सामान्य बनाने, सोवियत संघ को लोकतान्त्रिक रूप देने और वहाँ सुधार करने का फैसला किया। इस फैसले की अकल्पनीय परिणतियाँ हुईं—

(1) पूर्वी यूरोप की साम्यवादी सरकारें जनता के दबाव में एक के बाद एक गिर गईं। वहाँ लोकतान्त्रिक व्यवस्था की स्थापना हुई।

(2) देश के अन्दर आर्थिक-राजनीतिक सुधारों और लोकतन्त्रीकरण का जहाँ साम्यवादी दल के नेताओं द्वारा विरोध किया गया, वहीं जनता और तेजी से सुधार चाहती थी। परिणामत: 1991 में सोवियत संघ के तीन बड़े गणराज्यों—रूस, यूक्रेन और बेलारूस—ने सोवियत संघ की समाप्ति की घोषणा की। इन्होंने पूँजीवाद और लोकतन्त्र को अपना आधार बनाया। इन्होंने स्वतन्त्र राज्यों के राष्ट्रकुल का गठन किया। बाकी गणराज्यों को राष्ट्रकुल का संस्थापक सदस्य बनाया गया।

(3) रूस को सुरक्षा परिषद् में सोवियत संघ की सीट मिली। सोवियत संघ के अन्तर्राष्ट्रीय करार और सन्धियों को निभाने की जिम्मेदारी रूस को सौंपी गयी। इस प्रकार सोवियत संघ का पतन हुआ।

सोवियत संघ के विघटन का घटना-चक्र–

मार्च, 1985 – मिखाइल गोर्बाचेव सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव चुने गए। बोरिस

येल्तसिन को रूस की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रमुख बनाया। सोवियत संघ में सुधारों की शृंखला शुरू की।

1988 – लिथुआनिया में आजादी के लिए आंदोलन शुरू। एस्टोनिया और लताविया में भी फैला।

अक्टूबर, 1989 – सोवियत संघ ने घोषणा की कि 'वारसा समझौते' के सदस्य अपना भविष्य तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। नवम्बर में बर्लिन की दीवार गिरी।

फरवरी, 1990 – गोर्बाचेव ने सोवियत संसद ड्यूमा के चुनाव के लिए बहुदलीय राजनीति की शुरुआत की। सोवियत सत्ता पर कम्युनिस्ट पार्टी का 72 वर्ष पुराना एकाधिकार समाप्त।

जून, 1990 – रूसी संसद ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता घोषित की।

मार्च, 1990 – लिथुआनिया स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला पहला सोवियत गणराज्य बना।

जून, 1991 – येल्तसिन का कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा। रूस के राष्ट्रपति बने।

अगस्त, 1991 – कम्युनिस्ट पार्टी के गरमपंथियों ने गोर्बाचेव के खिलाफ एक असफल तख्तापलट किया।

सितम्बर, 1991 – एस्टोनिया, लताविया और लिथुआनिया बाल्टिक गणराज्य संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य बने।

दिसम्बर, 1991 – रूस, बेलारूस और यूक्रेन ने 1922 की सोवियत संघ के निर्माण से संबद्ध संधि को समाप्त करके स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रकुल बनाया। आर्मेनिया, अजरबैजान, माल्दोवा, कजाकिस्तान, किरगिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान भी राष्ट्रकुल का हिस्सा बने। 1993 में जार्जिया राष्ट्रकुल का सदस्य बना। संयुक्त राष्ट्रसंघ में सोवियत संघ की सीट रूस को मिली।

25 दिसंबर, 1991 – गोर्बाचेव ने सोवियत संघ के राष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया तथा सोवियत संघ का अंत हुआ।

सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ?

(1) सोवियत संघ की राजनीतिक-आर्थिक संस्थाएं अन्दरूनी कमजोरी के कारण लोगों की आकांक्षाएँ पूरा नहीं कर सकीं। यही सोवियत संघ के पतन का प्रमुख कारण रहा।

(2) परमाणु हथियार, सैन्य साजो-सामान तथा पूर्वी यूरोप के पिछलग्गू देशों के विकास पर हुए खर्चों से सोवियत संघ पर गहरा आर्थिक दबाव बना, सोवियत व्यवस्था इसका सामना नहीं कर सकी।

(3) पश्चिमी देशों की तरक्की के बारे में सोवियत संघ की जनता को जब यह जानकारी मिली कि सोवियत संघ पश्चिमी देशों से काफी पीछे है तो इससे जनता को राजनीतिक-मनोवैज्ञानिक धक्का लगा।

(4) गतिरुद्ध प्रशासन, भारी भ्रष्टाचार, पार्टी का जनता के प्रति जवाबदेह न होना, खुलेपन का अभाव तथा केन्द्रीकृत सत्ता के कारण जनता शासन से अलग-थलग पड़ चुकी थी। सरकार का जनाधार खिसक गया था।

(5) गोर्बाचेव ने जब सुधारों को लागू किया तो आकांक्षाओं-अपेक्षाओं का जनता का जो ज्वार उमड़ा, शासन उसका सामना नहीं कर सका। जहाँ आम जनता और तीव्र सुधार चाहती थी, वहाँ सत्ताधारी वर्ग इस बात से असन्तुष्ट था कि गोर्बाचेव सुधारों में बहुत जल्दबाजी दिखा रहे हैं। फलतः गोर्बाचेव का समर्थन हर तरफ से जाता रहा।

(6) रूस, बाल्टिक गणराज्यों, यूक्रेन तथा जार्जिया में राष्ट्रवादी भावनाओं और सम्प्रभुता की इच्छा का उभार सोवियत संघ के विघटन का तात्कालिक कारण सिद्ध हुआ।

विघटन की परिणतियाँ–सोवियत संघ के विघटन से प्रमुख परिणाम ये निकले—(1) शीत युद्ध के दौर की समाप्ति हुई। (2) अमेरिका विश्व में अकेला महाशक्ति बन बैठा। इस प्रकार एकध्रुवीय विश्व का उदय हुआ। (3) उदारवादी लोकतन्त्र राजनीतिक जीवन को सूत्रबद्ध करने की सर्वश्रेष्ठ धारणा के रूप में उभरा। (4) सोवियत संघ से अलग होकर अनेक नये देशों का उदय हुआ।

साम्यवादी शासन के बाद 'शॉक थेरेपी'–साम्यवाद के पतन के बाद सोवियत संघ के गणराज्य एक सत्तावादी, समाजवादी व्यवस्था से लोकतान्त्रिक पूँजीवादी व्यवस्था तक के कष्टप्रद संक्रमण से होकर गुजरे। यथा—

(1) निजी स्वामित्व को मान्यता–राज्य की सम्पदा का निजीकरण और पूँजीवादी ढाँचे को तुरन्त अपनाने पर बल दिया गया।

(2) मुक्त व्यापार–मुक्त व्यापार को पूर्ण रूप से अपनाना जरूरी माना गया।

(3) पूँजीवादी व्यवस्था को अपनाना–पूँजीवादी व्यवस्था को अपनाने के लिए वित्तीय खुलापन, मुद्राओं की आपसी परिवर्तनीयता और मुक्त व्यापार की नीति पर बल दिया गया।

(4) पश्चिमी देशों से प्रत्यक्ष सम्बन्ध की स्थापना–सोवियत खेमे के देशों के बीच मौजूद व्यापारिक गठबन्धनों को समाप्त कर प्रत्येक देश को सीधे पश्चिमी देशों से जोड़ा गया।

शॉक थेरेपी के परिणाम–

(1) 'शॉक थेरेपी' से पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो गई। पूरा राज्य-नियन्त्रित औद्योगिक ढाँचा चरमरा गया। 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी कम्पनियों को बेचा गया।

(2) रूसी मुद्रा रूबल के मूल्य में नाटकीय ढंग से गिरावट आयी। मुद्रास्फीति इतनी बढ़ गई कि लोगों की जमा पूँजी जाती रही।

(3) पुराने व्यापारिक ढाँचे के स्थान पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित नहीं हो पायी।

(4) खाद्यान्न सुरक्षा व्यवस्था, समाज कल्याण की पुरानी व्यवस्था को नष्ट कर दिया गया। इससे अमीर-गरीब की खाई और बढ़ गयी।

(5) लोकतान्त्रिक संस्थाओं के निर्माण के कार्य को प्राथमिकता के साथ नहीं किया गया। फलतः संसद एक कमजोर संस्था रह गयी। न्यायिक संस्कृति और न्यायपालिका की स्वतन्त्रता स्थापित नहीं हो पायी।

(6) अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्था के पुनर्जीवन का आधार बना—खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और धातु।

संघर्ष और तनाव–

(1) अनेक गणराज्यों में गृहयुद्ध हुए और बगावत हुई।

(2) इन देशों में बाहरी ताकतों की दखल बढ़ी।

(3) अनेक में हिंसक अलगाववादी आन्दोलन चले।

(4) मध्य एशियाई गणराज्य पेट्रोलियम के विशाल तेल भण्डारों के कारण बाहरी ताकतों और तेल कम्पनियों की आपसी प्रतिस्पर्द्धा का अखाड़ा बन गये। अमेरिका इस क्षेत्र में सैनिक ठिकाना बनाना चाहता है और रूस इन राज्यों को अपना निकटवर्ती विदेश मानता है और उसका मानना है कि इन्हें रूस के प्रभाव में रहना चाहिए। चीनियों ने भी सीमावर्ती क्षेत्र में आकर व्यापार शुरू कर दिया है।

पूर्व-साम्यवादी देश और भारत–भारत के सम्बन्ध रूस के साथ गहरे हैं। भारत-रूस सम्बन्धों का इतिहास आपसी विश्वास और साझे हितों का इतिहास है। ये सम्बन्ध जनता की अपेक्षाओं से मेल खाते हैं। रूस और भारत दोनों का सपना बहुध्रुवीय विश्व का है।

भारत को रूस के साथ अपने सम्बन्धों के कारण अनेक मसलों में फायदे हुए हैं, जैसे—कश्मीर समस्या, ऊर्जा आपूर्ति, चीन के साथ सम्बन्धों में सन्तुलन लाना आदि। रूस का भारत से लाभ यह है कि भारत उसके हथियारों का एक बड़ा खरीददार देश है। रूस ने तेल के संकट की घड़ी में भारत की हमेशा मदद की। रूस भारत की परमाणविक योजना के लिए महत्त्वपूर्ण है।

पाठगत प्रश्न

पृष्ठ 8

प्रश्न 1. पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या 8 पर दिये गये मानचित्र में मध्य एशियाई देशों को चिह्नित करें।

उत्तर–मध्य एशियाई देश ये हैं—(1) उज्बेकिस्तान (2) ताज़िकिस्तान (3) कजाकिस्तान (4) किरगिझस्तान (5) तुर्कमेनिस्तान।

प्रश्न 2. मैंने किसी को कहते हुए सुना है कि, "सोवियत संघ का अन्त समाजवाद का अन्त नहीं है।" क्या यह संभव है?

उत्तर–यह सही है कि सोवियत संघ का अन्त समाजवाद का अन्त नहीं है। यद्यपि सोवियत संघ समाजवादी विचारधारा का प्रबल समर्थक तथा उसका प्रतीक था, लेकिन वह समाजवाद के एक रूप का प्रतीक था। समाजवाद के अनेक रूप हैं और समाजवादी विचारधारा के उन रूपों को अभी भी विश्व के अनेक देशों ने अपना रखा है। दूसरे, समाजवाद एक विचारधारा है जिसमें देश, काल और परिस्थितियों के अनुसार विकास होता रहा है और अब भी हो रहा है। इसलिए सोवियत संघ का अन्त समाजवाद का अन्त नहीं है।

पृष्ठ 12

प्रश्न 1. सोवियत और अमरीकी दोनों खेमों के शीत युद्ध के दौर के पाँच-पाँच देशों के नाम लिखिए।

उत्तर–शीत युद्ध के दौर के सोवियत और अमरीकी खेमों के 5-5 देशों के नाम निम्नलिखित हैं—

(1) अमरीकी खेमे के देश—(1) संयुक्त राज्य अमेरिका (2) इंग्लैंड (3) फ्रांस (4) पश्चिमी जर्मनी (5) इटली।

(2) सोवियत खेमे के देश–(1) सोवियत संघ (2) पूर्वी जर्मनी (3) पोलैंड (4) रोमानिया (5) हंगरी।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

प्रश्न 1. सोवियत अर्थव्यवस्था की प्रकृति के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है?

(क) सोवियत अर्थव्यवस्था में समाजवाद प्रभावी विचारधारा थी।
(ख) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व/नियन्त्रण होना।
(ग) जनता को आर्थिक आजादी थी।
(घ) अर्थव्यवस्था के हर पहलू का नियोजन और नियन्त्रण राज्य करता था।

उत्तर–(ग) जनता को आर्थिक आजादी थी।

प्रश्न 2. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार सजाएँ–

(क) अफगान-संकट
(ख) बर्लिन-दीवार का गिरना
(ग) सोवियत संघ का विघटन
(घ) रूसी क्रान्ति।

उत्तर–(क) रूसी क्रान्ति (1917) (ख) अफगान संकट (1979) (ग) बर्लिन-दीवार का गिरना (1989) (घ) सोवियत संघ का विघटन (1991)।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में कौनसा सोवियत संघ के विघटन का परिणाम नहीं है?

(क) संयुक्त राज्य अमरीका और सोवियत संघ के बीच विचारधारात्मक लड़ाई का अन्त
(ख) स्वतन्त्र राज्यों के राष्ट्रकुल (सी आई एस) का जन्म
(ग) विश्व-व्यवस्था के शक्ति-सन्तुलन में बदलाव
(घ) मध्य-पूर्व में संकट।

उत्तर–(घ) मध्य-पूर्व में संकट।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ–

(1) मिख़ाइल गोर्बाचेव	(क) सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
(2) शॉक थेरेपी	(ख) सैन्य समझौता
(3) रूस	(ग) सुधारों की शुरुआत
(4) बोरिस येल्तसिन	(घ) आर्थिक मॉडल
(5) वारसॉ	(ङ) रूस के राष्ट्रपति

उत्तर–

(1) मिख़ाइल गोर्बाचेव	(ग) सुधारों की शुरुआत
(2) शॉक थेरेपी	(घ) आर्थिक मॉडल
(3) रूस	(क) सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
(4) बोरिस येल्तसिन	(ङ) रूस के राष्ट्रपति
(5) वारसॉ	(ख) सैन्य समझौता

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

(क) सोवियत राजनीतिक प्रणाली.....की विचारधारा पर आधारित थी।
(ख) सोवियत संघ द्वारा बनाया गया सैन्य गठबन्धन.....था।
(ग) .....पार्टी का सोवियत राजनीतिक व्यवस्था पर दबदबा था।
(घ) .....ने 1985 में सोवियत संघ में सुधारों की शुरुआत की।
(ङ) .....का गिरना शीतयुद्ध के अन्त का प्रतीक था।